UNIVERSITY NEWS 17 JULY 2026

I NEXT

क्रिएटिविटी, स्टडी और हॉबी फ्रेंडली है '5 डे वर्किंग पॉलिसी'

i SPECIAL

यूनिवर्सिटीज में 5 डे वर्किंग पॉलिसी को लेकर स्टूडेंट्स ने रखी अपनी राय

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (16 July): लखनऊ यूनिवर्सिटी और बीबीएयू में लागू हुई 5 डे वर्किंग पॉलिसी ने छात्रों की लाइफ को नया बैलेंस दिया है. पहले हफ्तेभर क्लासेज के बीच सेल्फ स्टडी, हॉबीज और स्किल डेवलपमेंट के लिए समय निकालना बड़ी चुनौती था. अब हर हफ्ते मिलने वाले दो एक्स्ट्रा दिन स्टूडेंट्स को अपनी तैयारी मजबूत करने, नई स्किल्स सीखने, कॉम्पिटेटिव एग्जाम की तैयारी करने और पार्ट-टाइम काम के जरिए आर्थिक मदद जुटाने का मौका दे रहे हैं. खास बात यह है कि रिसर्चर्स के लिए यूनिवर्सिटी ने लैब और एक्सपेरिमेंट्स की सुविधा पहले की तरह जारी रखी है, ताकि उनके रिसर्च वर्क की रफ्तार पर कोई असर न पड़े.

स्कॉलर्स के लिए छुट्टियों के दिनों में भी खुलते हैं डिपार्टमेंट

सेल्फ स्टडी के लिए मिल रहा ज्यादा टाइम

लखनऊ यूनिवर्सिटी मे मास्टर्स के स्टूडेंट अभिजीत, जो साथ मे सिविल सर्विसेज की भी तैयारी कर रहे हैं, 5 डे वर्किंग पॉलिसी को लेकर कहते हैं कि पहले वीक मे सिर्फ संडे का दिन मिलता था, जो जरूरी कामो मे ही निकल जाता था. न तो खुद के लिए टाइम मिलता था न ही प्रिपरेशन उतनी मैनेज हो पाती थी, लेकिन 5 डे वर्किंग पॉलिसी लागू होने के बाद से मुझे एक साथ 2 दिन का टाइम मिलता है, जिसमे मै अपना संडे का काम भी सैटरडे को आधे दिन मे ही खत्म कर लेता हू. इसके बाद मुझे डेढ़ दिन का टाइम मिल जाता है और मै न सिर्फ एक्स्ट्रा पढ़ाई कर लेता हू बल्कि थोड़ा एक्स्ट्रा टाइम खुद के और फैमिली के लिए भी निकाल लेता हू.

पॉकेट फ्रेंडली है ये पॉलिसी

बाराबंकी के रहने वाले यश, जो एलयू मे ग्रेजुएशन के स्टूडेंट है, डेली अप-डाउन करते है. 5 डे वर्किंग पॉलिसी को लेकर उनका कहना है कि जब से यह लागू हुआ है, मुझे वीक मे 2 दिन की छुट्टी मिल जाती है, जिससे मुझे अप-डाउन कम करना पड़ता है और मेरे पैसे भी बचते है. मुझे फिजिकली और मेंटली रेस्ट भी मिलता है और मै काफी चीज़े एक्सप्लोर कर पाता हू.

2 दिन की प्रिपरेशन 5 दिन तक हेल्पफुल

बीबीएयू मे पीएचडी कर रही स्टूडेंट मोनालिसा ने बताया कि 5 डे वर्किंग पॉलिसी हमारे लिए काफी यूज़फुल है क्योंकि जो 2 दिन का टाइम हमे मिलता है, उसमे हम पर्सनल स्टडी कर पाते है और यही 2 दिन की सेल्फ स्टडी हमे बाकी के दिनो मे काफी हेल्प करती है क्योंकि क्लासेज के टाइम तो एज ए स्कॉलर हमे रिसर्च रिलेटेड काम भी करना होता है, डेटा इकट्ठा करना, एक्सपेरिमेंट करना, ऐसे मे सैटरडे और संडे का टाइम हमारे लिए काफी यूज़फुल होता है.

इन यूनिवर्सिटीज में है सुविधा

5 डे वर्किंग पॉलिसी बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी मे काफी सालो से लागू है. करीब ढाई महीने पहले लखनऊ यूनिवर्सिटी ने भी इसे लागू किया था, हालांकि, वर्किंग आवर्स सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक रहते है. इसके साथ ही जिन रिसर्च स्कॉलर्स को एक्सपेरिमेंट करना होता है, उनके लिए डिपार्टमेंट अलग से परमिशन लेकर खोला जाता है.

क्या कहते हैं स्टूडेंट्स

5 डे वर्किंग पॉलिसी हर तरह से स्टूडेंट फ्रेंडली है क्योंकि वीकएंड के 2 दिनो मे हमे हमारी हॉबीज और स्किल्स के लिए टाइम मिलता है. मै खुद जापानीज लैंग्वेज सीख रही हू, इसके साथ ही सिटी को एक्सप्लोर कर पाती हू, घर से दूर होने की वजह से उतना टाइम डेली नही मिलता है. लेकिन 2 दिन के टाइम मे हम फैमिली और फ्रेंड्स के साथ बातचीत कर पाते है. इसके साथ ही वर्कशॉप, सेमिनार भी अटेंड कर पाते है.

नंदिता, पीएचडी स्कॉलर, बीबीएयू

2 दिन का जो टाइम हमे मिलता है, उसमे हम सेल्फ स्टडी के साथ ही रिसर्च पेपर रीडिंग, डाटा एक्युमुलेशन जैसे काम भी कर लेते है. एक तरह से 2 दिन का यह टाइम हमे बाकी 5 दिन मे काम आता है.

मोनालिसा, पीएचडी स्कॉलर, बीबीएयू

अगर स्टूडेंट्स के पास एक्स्ट्रा टाइम होगा तो वे कुछ नया और क्रिएटिव सोच पाएंगे. वे पढ़ाई के साथ-साथ अपनी अपस्किलिंग भी कर पाएंगे. ओवरऑल, यह एक पॉजिटिव स्टेप है.

राजपाल सिंह, पीएचडी स्कॉलर, एलयू

स्टूडेंट्स को वीक मे अगर 2 दिन का टाइम फ्री मिलता है तो ये उनकी एकेडमिक एक्सीलेंस और ओवरऑल वेलबीइंग के लिए बेहद यूज़फुल है. एज ए स्कॉलर 2 दिन का टाइम मेरे लिए बहुत यूज़फुल रहता है. मै अपने पूरे वीक की स्टडी शेड्यूल कर पाती हू और खुद को टाइम दे पाती हू.

सलोनी, पीएचडी स्कॉलर, एलयू

पीजी प्रवेश परीक्षाओं की शुरुआत

LUCKNOW (16 July): एलयू में पीजी एवं विभिन्न व्यावसायिक कोर्सों की प्रवेश परीक्षाएं शुरू हो गईं. पहले दिन बीलिब आइएससी, एमलिब आइएससी, एमएससी बायोकेमिस्ट्री, एमए एजुकेशन, एम.एससी अप्लाइड जियोलाजी, पब्लिक हेल्थ आदि विषय की प्रवेश परीक्षा हुई.

HINDUSTAN

बीटेक एनईपी, एमसीए प्रवेश नियम बदले

संशोधन

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र से बीटेक एनईपी और एमसीए पाठ्यक्रम के प्रवेश नियमों में संशोधन कर दिया है। संशोधित अध्यादेश के तहत यूपीटीएसी काउंसलिंग के बाद यदि सीटें खाली रह जाती हैं तो विवि उन पर सीधे प्रवेश देगा। इसके लिए बीटेक प्रथम वर्ष में इंटरमीडिएट, एमसीए प्रथम वर्ष में स्नातक और बीटेक द्वितीय वर्ष (लेटरल एंट्री) में डिप्लोमा, बीएससी या डी.वोक. के अंकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी।

प्रवक्ता प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि बीटेक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए अब अभ्यर्थी का 10+2 या समकक्ष परीक्षा में न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक और एससी या एसटी वर्ग के लिए 40 प्रतिशत होना अनिवार्य होगा। इसके साथ संबंधित शाखा के अनुसार विषयों की पात्रता भी तय की गई है। सिविल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के लिए भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित अनिवार्य होंगे। जबकि कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में प्रवेश के लिए भौतिकी और गणित आवश्यक होंगे।

समान या संबंधित क्षेत्र से डी.वोक. उत्तीर्ण अभ्यर्थी भी प्रवेश के पात्र होंगे। बीटेक द्वितीय वर्ष लेटरल एंट्री में प्रवेश के लिए तीन वर्षीय या दो वर्षीय इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी डिप्लोमा में न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक और एससी/एसटी के लिए 40 प्रतिशत आवश्यक होंगे। एमसीए प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए बीसीए, बीएससी कंप्यूटर साइंस, बीएससी आईटी, बीटेक सीएसई, बीटेक आईटी या समकक्ष डिग्रीधारी अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे।

AMRIT VICHAR

बीटेक प्रवेश में इंटरमीडिएट और डिप्लोमा के अंक बनेंगे आधार

बीटेक और एमसीए में इंटरमीडिएट, डिप्लोमा और स्नातक के अंकों से बनेगी मेरिट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से बीटेक और एमसीए पाठ्यक्रमों के प्रवेश नियमों में संशोधन किया है। यूपीटीएसी काउंसलिंग के बाद रिक्त सीटों पर विश्वविद्यालय सीधे प्रवेश देगा। बीटेक प्रथम वर्ष में इंटरमीडिएट, एमसीए प्रथम वर्ष में स्नातक और बीटेक द्वितीय वर्ष (लेटरल एंट्री) में डिप्लोमा, बीएससी या डी.वोक. के अंकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी।

बीटेक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए 12वीं में न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक और एससी-एसटी वर्ग के लिए 40 प्रतिशत अंक अनिवार्य होंगे। विभिन्न शाखाओं के लिए विषयवार पात्रता भी तय की गई है। सिविल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के लिए भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित अनिवार्य होंगे, जबकि अन्य प्रमुख शाखाओं में भौतिकी व गणित के साथ निर्धारित विषयों में से एक विषय होना जरूरी होगा। समान या संबंधित क्षेत्र से डी.वोक. उत्तीर्ण अभ्यर्थी भी पात्र होंगे।

• यूपीटीएसी काउंसलिंग के बाद रिक्त सीटों पर सीधे प्रवेश देगा लखनऊ विश्वविद्यालय

एमसीए में प्रवेश भी आसान

- एमसीए प्रथम वर्ष में बीसीए, बीएससी (कंप्यूटर साइंस/आईटी), बीटेक (सीएसई/आईटी) समेत किसी भी विषय के स्नातक आवेदन कर सकेंगे, बशर्ते उन्होंने 12वीं या स्नातक स्तर पर गणित विषय पढ़ा हो। सामान्य वर्ग के लिए न्यूनतम 50 प्रतिशत और एससी-एसटी वर्ग के लिए 45 प्रतिशत अंक अनिवार्य होंगे।

इस तरह बनेगी मेरिट

- यूपीटीएसी काउंसलिंग के बाद रिक्त सीटों पर बीटेक प्रथम वर्ष की मेरिट इंटरमीडिएट, एमसीए प्रथम वर्ष की मेरिट स्नातक तथा बीटेक लेटरल एंट्री की मेरिट डिप्लोमा, बीएससी या डी.वोक. में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाएगी। संशोधित प्रावधान तत्काल प्रभाव से शैक्षणिक सत्र 2026-27 में लागू होंगे।

लेटरल एंट्री के लिए भी तय हुई पात्रता: बीटेक द्वितीय वर्ष (लेटरल एंट्री) में प्रवेश के लिए इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी डिप्लोमा में न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक और एससी-एसटी वर्ग के लिए 40 प्रतिशत अंक आवश्यक होंगे। कृषि इंजीनियरिंग, फार्मेसी और आर्किटेक्चर डिप्लोमा धारक पात्र नहीं होंगे। 12वीं में गणित विषय के साथ बीएससी तथा संबंधित क्षेत्र से डी.वोक. उत्तीर्ण अभ्यर्थी भी रिक्त सीटों पर प्रवेश के पात्र होंगे।

कई केंद्रों पर हुई एलयू की पीजी प्रवेश परीक्षा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत परास्नातक व विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित गाइडलाइंस के अनुसार अलग-अलग परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। दो पालियों में आयोजित प्रवेश परीक्षा में बीलिबआईएससी, एमलिबआईएससी, एमएससी बायोकेमिस्ट्री, एमए एजुकेशन, एमएससी अप्लाइड जियोलॉजी आदि विषय शामिल रहे।

SWATANTRA BHARAT

लविवि : पीजी प्रवेश परीक्षाएं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक (पीजी) और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाएं शुक्रवार को शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो गई हैं। विश्वविद्यालय के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर दोनों पालियों में परीक्षाएं आयोजित की गईं, जिसमें बी.लिब.आई.एससी., एम.लिब.आई.एससी., एमएससी बायोकेमिस्ट्री, एमए एजुकेशन, एमएससी अप्लाइड जियोलॉजी, पब्लिक हेल्थ, बायोटेक्नोलॉजी, बीपीएड, पब्लिक हेल्थ-सीएम और एंथ्रोपोलॉजी सहित कई पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाएं शामिल रहीं। परीक्षाओं को निष्पक्ष और नकलविहीन बनाने के लिए सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से लाइव निगरानी की गई। विश्वविद्यालय के उड़नदस्ता दल ने भी परीक्षा केंद्रों का लगातार निरीक्षण किया। परीक्षा के दौरान कहीं से भी किसी तकनीकी समस्या, अव्यवस्था या अनुचित साधनों के प्रयोग की कोई शिकायत नहीं मिली। कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि विश्वविद्यालय पारदर्शी, निष्पक्ष और व्यवस्थित परीक्षा प्रणाली के लिए प्रतिबद्ध है।

AMRIT VICHAR

लविवि के विभिन्न केंद्रों पर हुईं पीजी प्रवेश परीक्षाएं

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत परास्नातक व विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित गाइडलाइंस के अनुसार अलग-अलग परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। दो पालियों में आयोजित प्रवेश परीक्षा में बीलिबआईएससी, एमलिबआईएससी, एमएससी बायोकेमिस्ट्री, एमए एजुकेशन, एमएससी अप्लाइड जियोलॉजी, पब्लिक हेल्थ, बायोटेक्नोलॉजी, बीपीएड, पब्लिक हेल्थ, एंथ्रोपोलॉजी की परीक्षाएं सम्पन्न हुईं। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों के जरिए लाइव वेबकास्टिंग और सर्विलांस की व्यवस्था की गई थी। इसके अतिरिक्त, आंतरिक उड़नदस्तों की टीमों ने परीक्षा के दौरान विभिन्न कक्षों का औचक और सघन निरीक्षण किया।

AMAR UJALA

बीटेक-एमसीए की खाली सीटों पर सीधे प्रवेश

लखनऊ। लविवि ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से बीटेक और एमसीए पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया में अहम बदलाव किया है। अब यूपीटीएसी काउंसिलिंग पूरी होने के बाद खाली रह जाने वाली सीटों पर विश्वविद्यालय सीधे प्रवेश देगा। इससे ऐसे अभ्यर्थियों को भी मौका मिलेगा, जो किसी कारणवश काउंसिलिंग में शामिल नहीं हो सके या आवेदन से वंचित रह गए थे। प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि पहले जेईई के माध्यम से प्रवेश होते थे। अब 10+2 वालों को सीधे प्रवेश दिया जाएगा। (संवाद)

AMAR UJALA

प्रवेश के लिए काउंसिलिंग आज से

लखनऊ। लविवि ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु दस्तावेज सत्यापन का शेड्यूल जारी किया है। प्रवेश समन्वयक अनित्य गौरव के अनुसार, अनुपस्थित रहने पर आवेदन निरस्त होगा। सत्यापन विवि के प्रवेश कार्यालय, मैत्री भवन के दूसरे तल में होगा। सत्यापन के बाद ही ऑनलाइन फीस जमा करने का विकल्प खुलेगा। फ्रेंच विषय के लिए 17 जुलाई को दोपहर एक बजे अंग्रेजी विभाग में प्रक्रिया होगी। एंशिएंट इंडियन हिस्ट्री एंड आर्कियोलॉजी विभाग में 20 और 21 जुलाई को प्रवेश होंगे। (संवाद)